संदेश

आजादी का अमृत महोत्सव
व्यावहारिक राजभाषा कार्यान्वयन : हमारा ध्येय

सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं

भावों की अभिव्यक्ति भाषाओं के माध्यम से होती है. प्रत्येक भाषा अपने आप में परिपूर्ण व सुंदर है. भारत जैसे बहुभाषिक देश में सभी को एक सूत्र में पिरोने हेतु हिंदी को सर्वप्रथम राजभाषा का सम्मान प्राप्त हुआ है. वैसे भारत की सभी भाषाएँ अपने आप में शब्द संपदा एवं वाक्य विन्यास की दृष्टि से समृद्ध है. राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के मानदण्डों के अनुरूप राजभाषा कार्यान्वयन की अनुपालनीयता के प्रति सचेत रहना,हमारा संविधानिक दायित्व है.

इस दिशा में, मैं भाकृअनुप- के मा प्रौ सं को तहे दिल से बधाई देता हूँ कि हम इस क्षेत्र में निष्ठा एवं लगन से कार्य कर रहे हैं. हमें बार- बार प्राप्त राजर्षि टंडन पुरस्कार एवं राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय से प्राप्त क्षेत्रीय पुरस्कार इसका द्योतक है. मैं राजभाषा विभाग की सराहना करते हुए उन्हें शुभेच्छा देता हूँ. संस्थान के सभी को राजभाषा में अभिरूचि बनाए रखने हेतु योगदान देते रहने का आग्रह करता हूँ.

हमारा संस्थान एक वैज्ञानिक संस्थान है. मैं यह रेखांकित करना चाहूंगा कि प्रयोगशालाओं मे किए गए शोध कार्य को यदि लक्ष्य समूह तक पहुंचाना है, तब भी भाषाओं के महत्व को अनदेखा नहीं किया जा सकता. राजभाषा के साथ साथ क्षेत्रीय भाषाओं को भी समाहित करने से हम प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की दिशा में मार्ग प्रशस्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा पायेंगे.

मुझे यह बताते हुए खुशी है कि हम अगले वर्ष से उक्त वर्ष के दौरान अनुसंधान केंद्रों में उत्तम राजभाषा कार्यान्वयन के लिए पुरस्कार की घोषणा करता हूँ.

"संस्थान में राजभाषा को नवरूप से पल्लवित करने हेतु आपके सहयोग की कामना करता हूँ."

रविशंकर सी.एन

डॉ रविशंकर सी.एन.
निदेशक